खो जाने का मन मेरा

इन हवाओं मे खो जाने का

इस अन्धेरे मे गुम हो जाने का

छूने का इन चॉद सितारों को

इस हवा मे उड़ जाने का

मन मेरा

दोड़ती वह तेज़ बिजली

कंपकपा देती वह ठंड

मौसम की उस नरमी मे

ठंड की इस धूप मे

खो जाने का मन मेरा

पत्तियॉ जो मुरझा गयीं

खिल रही हैं जो नयी कलियॉ

दूर से दिखते उस परवत पर

गीत की आती उस धुन मे

खो जाने का मन मेरा

भूल न जाना इन पन्कतियों को

भूल न जाना यह अलफाज़

इन कविताओं मे

खो जाने का मन मेरा

शोभित अग्रवाल